C.W - 03.05.2021

पाठ-2

## अहिंसा के फूल

सारांश

बचपन में गांधीजी को प्यार से सभी मोहन के स्थान पर मोनिया कहते थे। पेड़ पर चढ़ना उसका शौक था। घर के लोगों को पेड़ से मोनिया के गिरने का डर लगता, किंतु वह निडर था। एक दिन वह अमरूद के पेड़ पर चढ़ गया। वह नीचे उतरता, इसके पहले ही उसके बड़े भाई वहां आ गए। उन्होंने उसे पेड़ पर चढ़े देखा, तो नाराज होकर उसे दो-चार थप्पड़ रसीद कर दिए। मोनिया रोते रोते माँ के पास पहुँचा और बोला- 'माँ भैया ने मुझे मारा।' माँ ने सहज भाव से कह दिया- 'जा तू भी उसे मार आ।' माँ के ऐसा कहते ही वह गंभीर होकर बोला - 'ऐसा तुम क्यों कहती हो मां? मैं अपने बड़े भाई पर हाथ उठाऊं?' मां ने हंसते हुए कहा- 'तो क्या हुआ? भाई-बहनों में तो ऐसे लड़ाई-झगड़े होते ही रहते हैं।' मोनिया तत्काल माँ की बात काटते हुए बोला- 'तुम गलत हो मां, जो बड़े को मारने की शिक्षा देती हो।'